विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 27-12-2020

वर्ग पंचम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

दाण-यच्छ (देना) धातु के रूप -

दाण-यच्छ (देना) धातु रूप: को दाण, बिस्वा एवं मापा नामक शुल्क राज्य को देना पड़ता था। एक गाँव से दूसरे गाँव माल ले जाने के लिए ग्राम- पंचायतों को “”माना’ चुकाना पड़ता था। दाण व बिस्वा मुंबई की एक गैरेज में चार दोस्तोंने, चंपकलाल चोकसे, चिमनलाल चोकसी, सूर्यकांत दाणी और अरविंद वकिल ने एशियन पेंट्स कम्पनी स्थापित कि थी। द्वितीय विश्व युद्ध था।

दाण् (= यच्छ् = देना) -

लट् लकार (वर्तमानकाल) -

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	यच्छति	यच्छतः	यच्छन्ति
मध्यम पुरुष	यच्छसि	यच्छथः	यच्छथ

उत्तम पुरुष यच्छामि यच्छावः यच्छामः

लट् लकार (सामान्य भविष्यत्काल) -

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	दास्यति	दास्यतः	दास्यन्ति
मध्यम पुरुष	दास्यसि	दास्यथः	दास्यथ
उत्तम पुरुष	दास्यामि	दास्यावः	दास्यामः

लङ् लकार (हेतुहेतुमद् भविष्यत्काल) -

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अदास्यत्	अदास्यताम्	अदास्यन्
मध्यम पुरुष	अदास्यः	अदास्यतम्	अदास्यत
उत्तम पुरुष	अदास्यम्	अदास्याव	अदास्याम

लङ् लकार (अनद्यतन भूतकाल) -

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अयच्छत्	अयच्छताम्	अयच्छन्
मध्यम पुरुष	अयच्छः	अयच्छतम्	अयच्छत
उत्तम पुरुष	अयच्छम्	अयच्छाव	अयच्छाम

लोट् लकार (आदेशवाचक) -

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	यच्छतु	यच्छताम्	यच्छन्तु

मध्यम पुरुष यच्छ यच्छतम् यच्छत

उत्तम पुरुष यच्छानि यच्छाव यच्छाम

विधिलिङ् लकार (अनुज्ञावाचक)

पुरुष एकवचन द्विवचन बहुवचन

प्रथम पुरुष यछेत् यच्छेताम् यच्छेयुः

मध्यम पुरुष यच्छेः यच्छेतम् यच्छेत

उत्तम पुरुष यच्छेयम् यच्छेव यच्छेम